Bilingual

Allen's Keynotes

एलेन्स कीनोट्स

Leading Remedies of the Materia Medica

औषधि तत्व की प्रधान औषधियों के मूल सूत्र

By
H. C. ALLEN, *M.D.*

Bilingual (Hindi & English)

Compiled By
Prof. (Dr.) S. M. SINGH
M.D. (Hom.), Ph.D. (M.M., Udaipur)
Ph.D. (Mat. Med. Health University, Nasik)

B. JAIN PUBLISHERS (P) LTD.
INDIA—USA—EUROPE

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

Allen's Keynotes (एलेन्स कीनोट्स)

First Edition: 2022

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without any prior written permission of the publisher.

© with the AUTHOR

Published by Manish Jain for
B. JAIN PUBLISHERS (P) LTD.
D-157, Sector-63, NOIDA-201307, U.P. (INDIA)
Tel.: +91-120-4933333 • *Email:* info@bjain.com
Website: **www.bjainbooks.com**
Registered office: 1921/10, Chuna Mandi, Paharganj,
New Delhi-110 055 (India)

Printed in India

ISBN: 978-81-319-2788-5

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

गुरुदेव के साथ यात्रा

Allen's Keynotes

एलेन्स की नोट्स

डा० बी० के० बोस

डा० एस०के० दुबे

COMPILED- संकलित

डा० एस० एम० सिंह

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

PREFACE

The maintenance of the development and continuity of each science and society, depends upon keeping intact for the future their principles through scientific literature and articles. The originality of principles be secured and recorded so that the literature is available for the future generations. In fact, in German, English and other foreign languages the literature of Homeopathy had increasingly developed, but availability (Homepathy) in Hindi, the national language of India is very little. There have indeed been some efforts but these have lacked the basic principles. Similarly, this lack is also found in Homeopathic Materia Medica.

For a preliminary study of Homeopathy Materia Medica "Allen's Key Notes" have been of immense importance and are considered the first step for the study of Homeopathic medicine, but since its language is full of old English words, the newcomers find it difficult to understand. Under such circumstances, it becomes a helpless situation for the students that they memorize it and understand its original sentiments with the passage of time.

This collective book of Allen's Key Notes will prove to be a milestone for its specificity, because the originality, address, bold letter, italic letter, inverted (indicated word in brackets), modalities, relationship etc., words have an appreciable work in the Hindi edition, since the edition has been made in Hindi at the appropriate places. The purpose of the choice of placing these difficult and important words at appropriate places is that the students, while reading the importance and place of English words, have an ease of its availability while reading in Hindi so that the meaning and intellect of words can be easily understood. This book has been written in very easy language Hindi and one finds

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

प्रस्तावना

प्रत्येक विज्ञान और समाज के विकास और निरंतरता को बनाये रखना, इस बात पर निर्भर करता है कि उनके सिद्धान्तों को उत्तरोत्तर विज्ञान साहित्य एवं रचनाओं के माध्यम से भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाए। सिद्धान्तों की मौलिकता को सुरक्षित कर अंकित किया जाए जिससे कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियों के लिए पांडुलिपि उपलब्ध रहे। वास्तव में जर्मनी, अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं में होम्योपैथी के साहित्य का अत्यधिक विकास हुआ है, परंतु भारतवर्ष की राष्ट्रीय भाषा हिंदी में उपलब्धता (होम्योपैथी) नहीं के बराबर है। कुछ प्रयास तो अवश्य हुए हैं, परंतु इनमें मौलिक सिद्धांतों का अभाव देखा जाता रहा है। इसी प्रकार, होम्योपैथिक मेटेरिया मेडिका में भी इस बात की कमी पायी जाती है।

होम्योपैथी मेटेरिया मेडिका के प्रारम्भिक अध्ययन के लिए ''एलेन्स की-नोट्स'' का अधिक महत्व रहा है और वह औषधियों के अध्ययन हेतु प्रथम सीढ़ी मानी जाती है, परंतु इसकी भाषा पुराने अंग्रेजी के शब्दों से भरी पड़ी होने के कारण नव आगंतुकों को समझने में काफी कठिनाई महसूस होती है। ऐसे में छात्रों के लिए यह मजबूरी हो जाती है कि वे इसे कंठस्थ कर लें और समय के साथ इसकी मूल भावनाओं को समझें।

'एलेन्स की-नोट्स' की यह संकलित पुस्तक अपनी विशिष्टता के लिए मील का पत्थर प्रमाणित होगी, क्योंकि 'एलेन्स की-नोट्स' पुस्तक की मौलिकता, सम्बोधन, बोर्ड लेटर, इटैलिक लेटर, इन्वर्टेड (अंकित शब्द ब्रेकेट में), रिलेशनशिप आदि-आदि शब्दों का हिन्दी में संकलन के साथ प्रशंसनीय कार्य यह है कि उचित यथास्थान पर हिन्दी भाषा में संकलन किया गया है। इन कठिन और महत्वपूर्ण शब्दों का चयन यथास्थान रखने का अभिप्राय यह है कि छात्रों को अंग्रेजी शब्द के महत्व और स्थान को हिन्दी भाषा में पढ़ते समय सरलता, सुगमता से उसकी उपलब्धता पायी जा सके, ताकि शब्दों के अर्थ, मनोभावों की मौलिकता

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

within this the lack of origin of symptoms of principles and medicines. The style and simplicity of writing this book being very simple there will be no difficulty in understanding. Students and physicians will understand it easily.

After being in close association with my teachers Dr. B. K. Bose, Dr. P.C. Pal, Dr. S. Mondol, Dr. Dileep Saha, Dr. H. R. Saha, Dr. T.P. Mondol, Dr. R. K. Kapoor, Dr. Rastogi, Dr. S. K. Dubey, Dr. Mahendra Singh, Dr. D. Mitra, Dr. Chartterjee, Dr. S.S. Kochar and other teachers, and to present the same before the Homeopathic doctor, this is a small effort to recapitulate the academic/medical knowledge of Materia Medica that has been acquired by me from 1968 to 1972. In the experience of 50 years (1972 to 2022), with the experience of teaching and the experience of national and international seminars what has been observed and understood by me is that the symptoms of Homeopathic Materia Medica should be used strictly in accordance with its originality, the basic concepts of certified Materia Medica books should remain intact and there should not be any type of unnecessary discussion, orientation or interpretation. This is a partial effort of the present bilingual book.

Students and doctors are humbly requested that they may without any hesitation continue to provide their valuable suggestions towards the mistakes. I shall ever be grateful for the cooperation.

Thanking you

Prof. (Dr.) S. M. SINGH
M.D. (Hom.), Ph.D. (M.M., Udaipur)
Ph.D. (Mat. Med. Health University, Nasik)

B JAIN PUBLISHERS (P) LTD

को सुगमता से समझा जाये। यह पुस्तक अत्यंत ही सरल भाषा हिन्दी में लिखी गयी है और इसके अंदर सिद्धांतों और दवाओं के मूल लक्षणों का मौलिक दर्शन होता है। पुस्तक के लिखने की शैली और सहज-भाव अत्यंत ही सरल होने के कारण समझने में कोई कठिनाई नहीं होगी। छात्र और चिकित्सक इसे सरलता से समझ सकेंगे।

अपने गुरुजनों डॉ. बी.के. बोस, डॉ. पी.सी. पाल, डॉ. एस. मण्डल, डॉ. दिलीप शाहा, डॉ. एच.आर. शाहा, डॉ. टी.पी. मण्डल, डॉ. आर.के. कपूर, डॉ. रस्तोगी, डॉ. एस.के. दुबे, डॉ. महेन्द्र सिंह, डॉ. डी. मित्रा, डॉ. चटर्जी, डॉ. एस.एस. कोचर आदि अनेक गुरुजनों के सान्निध्य में रहकर 1968 से 1972 तक जो मेटेरिया मेडिका की शैक्षणिक/चिकित्सकीय ज्ञान के अनुभव को अर्जित किया है, उसी अनुभव को संजोकर होम्योपैथिक चिकित्सकों के समक्ष प्रस्तुत करने का एक छोटा सा प्रयास है। 50 वर्ष के अनुभव में (1972 से 2022 तक) अध्यापन (टीचिंग) का अनुभव, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक गोष्ठियों का अनुभव, जो देखा-समझा वह यह है कि होम्योपैथिक मेटेरिया मेडिका के लक्षणों को यथावत्/शत-प्रतिशत उसकी मौलिकता के साथ ही प्रयोग किया जाना चाहिए। औषधि चयनित होने में प्रमाणित मेटेरिया मेडिका पुस्तकों के मूल लक्षणों को बना रहना चाहिए न कि किसी भी प्रकार का अनावश्यक तर्क-वितर्क, व्याख्या। प्रस्तुत पुस्तक के द्विभाषीय संकलन का आंशिक प्रयास है।

छात्रों एवं चिकित्सकों से सविनय आग्रह है कि वे त्रुटियों के प्रति निःसंकोच परामर्श देते रहेंगे। उनके सहयोग के लिए मैं सदैव हृदय से आभारी रहूँगा।

धन्यवाद।

प्रोफेसर (डॉ.) एस.एम. सिंह
एम.डी. (होम्यो.), पीएच.डी. (एम.एम. उदयपुर)
पीएच.डी. (एम.एम. हेल्थ युनिवर्सिटी, नासिक)

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

शुभकामना सन्देश

होम्योपैथिक औषधियों के प्रारंभिक अध्ययन के मूल आधार के रूप में अति प्रचलित और लोकप्रिय 'एलेन्स की-नोट्स' का महत्व सभी चिकित्सकों और छात्रों के लिए सदा से बना रहा है, परंतु इसकी जटिल और प्राचीन अंग्रेजी भाषा के शब्दों का अर्थ समझने में काफी कठिनाई महसूस की जाती रही है। यह भी सत्य है कि इस पुस्तक की होम्योपैथिक दवाओं के लिए गागर में सागर के रूप में लोकप्रियता बनी रही है। मेटेरिया मेडिका के भीतर प्रवेश करना प्रथम श्रेणी के रूप में सभी के लिए आवश्यक है। बहुत लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है कि अगर भाषा सरल और हिंदी में उपलब्ध हो तो होम्योपैथिक दवाओं का अध्ययन और भी सरल हो जाता। इस प्रयास के क्रम में कई लोगों ने कुछ प्रयास तो किये हैं, परंतु उनमें संपूर्णता नहीं आयी है और मूल भाव का अभाव महसूस किया जाता रहा है। इन परिस्थितियों के मध्य 'एलेन्स की-नोट्स' का अनुवाद सुखद आश्चर्यजनक अनुभूति रहा है। अपनी अध्ययनशील, कर्मठ और दूरदर्शिता के समावेश के साथ संकलनकर्ता का अनुभव होम्योपैथी के लिए बहुमूल्य धरोहर है। अनुवादककर्ता के अनुभव के साथ साहित्यिक कृतियों का संगम भी अद्वितीय है। 'एलेन्स की-नोट्स' की हस्तलिपि को देखकर मैं आश्चर्यचकित हूँ। सरलता के साथ मूल भावनाओं को लेखनी में बंधकर यह अनुवाद आने वाले समय में मील का पत्थर सत्यापित होगा। मैं डॉ. एस.एम. सिंह जी के इस अनुवाद से काफी आशान्वित हूँ कि यह आने वाले होम्योपैथी के प्रेमी छात्रों और चिकित्सकों के लिए वरदान साबित होगा। मैं डॉ. एस.एम. सिंह को तहे दिल से बधाई देता हूँ। मुझे पूरी उम्मीद है कि आने वाले समय में इसी प्रकार हिंदी साहित्य का विकास होता रहेगा। मैं इस 'एलेन्स की-नोट्स' के हिंदी अनुवाद की सभी चिकित्सकों के लिये अनुशंसा करता हूँ।

प्रोफेसर (डॉ.) रामजी सिंह, एम.डी. (होम्यो.)

अध्यक्ष-होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया

B.JAIN PUBLISHERS PVT LTD

शुभकामना सन्देश

होम्योपैथी के साथ अपने इस छोटे से जीवनकाल में मैंने यह अनुभव किया है कि अगर इसके साहित्य का विकास अपनी राष्ट्रीय भाषा हिंदी में होता है तो स्थिति और भी जनोपयोगी और लोकप्रिय होगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अपने देश भारत में सिद्धान्तों का उत्तरोतर विकास नहीं हुआ है। हम सभी देख रहे हैं कि धीरे-धीरे यह अन्य देशों को काफी पीछे छोड़कर आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान प्राप्त कर पाने में सफल रहा है। भारत आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने के लिये तैयार है। वर्तमान में यह आवश्यक है कि इसके भीतर एकरूपता बनाए रखने के लिए मूल सिद्धांतों को उनकी ही भाषा में अच्छी तरह समझा जाए। इसी क्रम में जब मुझे इनकी 'एलेन्स की-नोट्स' की पांडुलिपि को देखने का अवसर मिला तो मुझे आश्चर्यजनक सुखद अनुभूति हुई और मुझे लगा कि इस पुस्तक के माध्यम से हिंदी भाषा में होम्योपैथिक साहित्य की उपलब्धता का सपना अब साकार दृष्टिगत प्रतीत हो रहा है। इस प्रस्तुति के द्वारा मार्ग खुल चुका है। इसमें 'एलेन्स की-नोट्स' की मौलिकता की पूर्णता का आभास होता है। 'एलेन्स की-नोट्स' जैसे ग्रंथ की जटिल भाषा को सरलता से प्रस्तुत कर पाना निश्चय ही इसमें वर्तमान गहराई से परिचय कराता है। जब दिल से कोई ठान ले तो कार्य सहज हो जाता है। अंग्रेजी की जटिल भाषा को हिंदी में अनुवाद कर पाना एक साहसिक और धैर्यपूर्वक पूर्ण कार्य है। जिस तरह से इस पुस्तक को तैयार किया गया है ऐसा प्रतीत होता है कि यह दिल से निकला हुआ भाव है। मैं आज अत्यंत संतुष्ट हूँ कि यह पुस्तक हिंदी भाषा में अब आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शन होगी तथा लोगों के बीच मूल भाव को पढ़ने की आदत बनेगी। मैं डॉ. एस.एम. सिंह को आशीर्वाद देता हूँ कि इसी प्रकार और भी लेखनी द्वारा समाज को समय-समय पर कुछ देते रहें ताकि होम्योपैथिक साहित्य एक धरोहर के रूप में भविष्य के लिए सुरक्षित हो सके। यह एक सिलसिला बने जिससे कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी और होम्योपैथी का प्राकृतिक रूप से विकास होता रहेगा। मैं सभी से आग्रह करता हूँ इस पुस्तक को अवश्य पढ़ें और मनन करते हुए होम्योपैथी के प्रति अपनी आस्था को बढ़ाते रहने के लिए प्रयास करते रहें। यह निश्चित रूप से आप सभी का मार्गदर्शन भी करता रहेगा।

प्रोफेसर (डॉ.) गिरेंद्र पाल सिंह
अध्यक्ष, होम्योपैथी यूनिवर्सिटी, जयपुर

B. JAIN PUBLISHERS (P) LTD

शुभकामना सन्देश

होम्योपैथी मेटेरिया मेडिका के प्रारंभिक अध्ययन के लिए 'एलेन्स की-नोट्स' का अधिक महत्व रहा है और दवाओं के अध्ययन के लिए यह प्रथम सीढ़ी मानी जाती है, परंतु इसकी भाषा पुराने अंग्रेजी के शब्दों से भरपूर होने के कारण नव आगंतुकों को इसे समझने में काफी कठिनाई महसूस होती है, इस ओर शायद ही किसी का ध्यान गया है। अभी हाल ही में मुझे डॉ. एस.एम. सिंह की हस्तलिपि 'एलेन्स की-नोट्स' के अनुवाद को देखने का अवसर प्राप्त हुआ है। इसके अध्ययन के दौरान मुझे यह एहसास हुआ कि यह पुस्तक अत्यंत ही सरल भाषा हिंदी में लिखी गयी है और इसमें सिद्धान्तों और दवाओं के मूल लक्षणों की मौलिकता दर्शित होती है। अपने लंबे चिकित्सकीय अनुभव के साथ लिखी गयी यह पुस्तक अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी है। वास्तव में यह एक विशिष्ट प्रयास है जो होम्योपैथी दवाओं के मूल मनोभाव के साथ अध्ययन कराने के लिए आधार बन सकता है। पुस्तक लिखने की शैली और सहज-भाव अत्यंत ही सरल होने के कारण समझने में कोई कठिनाई नहीं होगी। छात्र और चिकित्सक आसानी से होम्योपैथी औषधियों का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। यह उनके भीतर आगे पढ़ने के लिए भी उत्साह उत्पन्न करेगा। मैं डॉक्टर एस.एम. सिंह को इस पुस्तक के प्रकाशन के लिए बधाई देता हूँ और सभी से निवेदन करता हूँ कि इस पुस्तक को अवश्य पढ़ें, समझें और अपने जीवन में आत्मसात करते रहें।

प्रोफेसर (डॉ.) एस.के. तिवारी
भूतपूर्व निदेशक, एन.आई.एच. कोलकाता

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

शुभकामना सन्देश

होम्योपैथी में औषधीय अध्ययन के लिए सबसे प्रमुख पुस्तक 'एलेन्स की-नोट्स' का प्रथम स्थान अत्यधिक लोकप्रिय रहा है। इसकी मूल भाषा अंग्रेजी में उपलब्ध 'एलेन्स की-नोट्स' की प्राथमिकता और लोकप्रियता सदा कायम रही है। इसके साथ ही यह भी महसूस किया जाता रहा है कि अंग्रेजी की प्राचीन भाषा के शब्दों की क्लिष्टता के कारण इस पुस्तक को समझना और व्यवहार में लाना सरल नहीं रहा है। ऐसे में छात्रों के लिए यह लाजमी हो जाता है कि वे इसे कंठस्थ कर लें और समय के साथ इसकी मूल भावनाओं को समझने का प्रयास करें। इस दिशा में हमेशा यह भी कोशिश की जाती रही है और आवश्यकता भी महसूस की गयी है कि अगर कोई सरल, सुगम और अपनी मातृभाषा में अनुवाद संभव हो तो इसका महत्व पर्याप्त अनुकूल हो जाएगा। परंतु इस चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी को निभाने के लिए अभी तक कोई भी साहस नहीं कर पाया है। ऐसे में संकलनकर्ता डॉ. एस.एम. सिंह ने अपने अनुभव के आधार पर इसके अनुवाद के लिए इस चुनौती को स्वीकार किया है। इस प्रयास के परिणामस्वरूप अनुदित 'एलेन्स की-नोट्स' का अब हम लोगों के बीच आगमन हो चुका है। इस पुस्तक के पांडुलिपि का अध्ययन करने के बाद मुझे महसूस हुआ है कि 'एलेन्स की-नोट्स' की मूल भावनाओं को सुरक्षित रखते हुए यह हिंदी के सरल और व्यवहारिक भाषा में समाज के बीच काफी सफल प्रयास है। अनुवादक का हिंदी भाषा के प्रति प्रेम का अद्भुत उपहार हम सभी चिकित्सकों के बीच आज उपलब्ध हो पाया है। अब यह आम छात्रों और चिकित्सकों के लिए और भी सरलता से अपनाया जा सकता है। मुझे विश्वास है कि इस प्रयास के साथ यह पुस्तक आने वाले समय में होम्योपैथिक औषधियों के अध्ययन के लिए और उसे समझने के लिए उपयोगी होगी। मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ कि इन्होंने अपने अथक प्रयास से इस उम्र में भी इस पुस्तक को होम्योपैथिक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण दुर्लभ उपहार के रूप में प्रदान किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक होम्योपैथिक औषधियों के अध्ययन के लिए अत्यधिक सरल और व्यवहारिक होगी। डॉ. एस.एम. सिंह जी की इस पुस्तक के द्वारा जीवन की सफलता का अमूल्य एहसास हुआ है।

प्रोफेसर (डॉ.) मृदुल कुमार साहनी
एम.डी. (होम्यो.), पीएच.डी.(होम्यो.)

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

Publisher's Note

For the preliminary study of Homeopathic Materia Medica "Allen's Key Notes" have been of immense importance and are considered the first step for the study of Homeopathic medicine, but since its language is full of old English words, the newcomers find it difficult to understand. Under such circumstances, it becomes a helpless situation for the students and they memorize it and understand its original sentiments with the passage of time.

This collective book of Allen's Key Notes in this compiled form of English and Hindi, will prove to be a milestone for its specificity, because the originality, address, bold letter, italic letter, modalities, relationship etc., words have an appreciable work in the Hindi edition. The style of writing this book being very simple, there will be no difficulty in understanding for the students and physicians.

The author has compiled this book with his vast experience, hence making the hindi edition very simple yet meaningful so that the symptom meaning is exactly conveyed as mentioned in the english edition.

We hope this book removes any hurdles that language was posing for students and physicians and they relish this valuable work. Suggestions are always welcome.

Manish Jain
Director, B. Jain Publishers (P) Ltd.

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

i:dk'kd dh vkj l:

होम्योपैथी मटेरिया मेडिका के प्रारंभिक अध्ययन के लिए *"एलन की नोट्स"* का अत्यधिक महत्व रहा है और होम्योपैथिक चिकित्सा के अध्ययन के लिए पहला कदम माना जाता है, लेकिन चूंकि इसकी भाषा पुराने अंग्रेजी शब्दों से भरी है, इसलिए नवागंतुकों को यह समझाने में मुश्किल होता है। ऐसी परिस्थितियों में यह छात्रों के लिए एक असहाय स्थिति बन जाती है ओर वे इसे याद कर लेते हैं और समय बीतने के साथ इसकी मूल भावनाओं को समझते हैं।

अंग्रेजी और हिंदी के इस संकलित रूप में *"एलन की नोट्स"* की यह सामूहिक पुस्तक अपनी विशिष्टता के लिए मील का पत्थर साबित होगी, क्योंकि मौलिकता, पता, बोल्ड लेटर, इटैलिक लेटर, तौर–तरीके, संबन्ध आदि में एक है और ये हिन्दी संस्करण सराहनीय कार्य है। इस पुस्तक को लिखने की शैली बहुत सरल होने के कारण छात्रों और चिकित्सकों को समझने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

लेखक ने इस पुस्तक को अपने विशाल अनुभव के साथ संकलित किया है, इसलिए हिंदी संस्करण बहुत सरल लेकिन सार्थक है और लक्षण अर्थ ठीक उसी तरह व्यक्त किया है जैसा अंग्रेजी संस्करण में बताया गया है।

हमे उम्मीद है कि यह पुस्तक छात्रों और चिकित्सकों के लिए भाषा द्वारा प्रस्तुत सभी बाधाओं को दूर करेगी और वे इस मूल्यवान कार्य को पसंद करेगें। सुझावों का हमेशा स्वागत है।

मनीष जैन
डायरेक्टर, बी. जैन पब्लिशर्स (प्रा.) लि.

B JAIN PUBLISHERS PVT. LTD

Contents

ABROTANUM 1
ACETIC ACID 2
ACONITUM NAPELLUS 4
ACTÆA RACEMOSA 7
ÆSCULUS HIPPOCASTANUM 9
ÆTHUSA CYNAPIUM 11
AGARICUS MUSCARIUS 12
AGNUS CASTUS 14
ALLIUM CEPA 15
ALOE SOCOTRINA 17
ALUMINA 19
AMBRA GRISEA 21
AMMONIUM CARBONICUM 23
AMMONIUM MURIATICUM 25
AMYLENUM NITROSUM 26
ANACARDIUM ORIENTALE 28
ANTHRACINUM 30
ANTIMONIUM CRUDUM 31
ANTIMONIUM TARTARICUM 34
APIS MELLIFICA 36
APOCYNUM CANNABINUM 38
ARGENTUM METALLICUM 39
ARGENTUM NITRICUM 40
ARNICA MONTANA 43
ARSENICUM ALBUM 46
ARUM TRIPHYLLUM 49

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

विषय सूची

एब्रोटनम 1
एसेटिक एसिड 2
ऐकोनाइटम नैपेलस 4
एक्टिया रेसिमोसा 7
एस्कुलस हिप्पोकैस्टेनम 9
एथूज़ा सिनेपियम 11
एगारिकस मस्केरियस 12
एग्नस कैस्टस 14
एलियम सेपा 15
एलो सोकोट्रीना 17
एलुमिना 19
एम्ब्रा ग्रीसिया 21
अमोनियम कार्बोनिकम 23
अमोनियम म्यूरिएटिकम 25
एमीलेनम नाइट्रोसम 26
एनाकार्डियम ओरिएण्टेल 28
एन्थ्रासिनम 30
एण्टिमोनियम क्रूडम 31
एण्टिमोनियम टार्टैरिकम 34
एपिस मेलीफिका 36
एपोसाइनम कैनाबिनम 38
आर्जेण्टम मेटालिकम 39
आर्जेण्टम नाइट्रिकम 40
आर्निका मौण्टेना 43
आर्सेनिकम एल्बम 46
एरम ट्रिफाइलम 49

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

ASARUM EUROPZEUM 51
ASTERIAS RUBENS 52
AURUM METALLICUM 53
BAPTISIA TINCTORIA 55
BARYTA CARBONICA 57
BELLADONNA 59
BENZOIC ACID 61
BERBERIS VULGARIS 63
BISMUTH 64
BORAX 65
BOVISTA 67
BROMIUM 68
BRYONIA ALBA 70
CACTUS GRANDIFLORUS 72
CALADIUM 74
CALCAREA ARSENICA 75
CALCAREA OSTREARUM 76
CALCAREA PHOSPHORICA 79
CALENDULA 80
CAMPHORA 82
CANNABIS INDICA 83
CANNABIS SATIVA 84
CANTHARIS VESICATORIA 85
CAPSICUM 87
CARBO ANIMALIS 88
CARBO VEGETABILIS 90
CARBOLIC ACID 92
CAULOPHYLLUM 94

B. JAIN PUBLISHER PVT. LTD

एसारम यूरोपियम 51
आस्टेरियस रूबेन्स 52
औरम मेटालिकम 53
बैप्टीशिया टिंक्टोरिया 55
बैराइटा कार्बोनिका 57
बेलाडोना 59
बेन्जोइक एसिड 61
बर्बेरिस वल्गैरिस 63
बिस्मथ 64
बोरेक्स 65
बोविस्टा 67
ब्रोमियम 68
ब्रायोनिया एल्बा 70
कैक्टस ग्रैण्डिफ्लोरस 72
कैलेडियम 74
कैल्केरिया आर्सेनिका 75
कैल्केरिया ऑस्ट्रिएरम 76
कैल्केरिया फास्फोरिका 79
कैलेण्डुला 80
कैम्फोरा 82
कैनाबिस इण्डिका 83
कैनाबिस सैटाइवा 84
कैंथारिस वेसिकैटोरिया 85
कैप्सिकम 87
कार्बो एनिमैलिस 88
कार्बो वेजिटेबिलिस 90
कार्बोलिक एसिड 92
कॉलोफाइलम 94

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

CAUSTICUM 95
CHAMOMILLA 98
CHELIDONIUM MAJUS 100
CICUTA VIROSA 102
CINA 104
CINCHONA 105
COCA 108
COCCULUS 109
COFFEA CRUDA 111
COLCHICUM AUTUMNALE 112
COLLINSONIA CANADENSIS 114
COLOCYNTHIS 115
CONIUM MACULATUM 116
CROCUS SATIVUS 118
CROTALUS HORRIDUS 120
CROTON TIGLIUM 122
CUPRUM METALLICUM 123
CYCLAMEN EUROPAEUM 125
DIGITALIS PURPUREA 127
DIOSCOREA VILLOSA 128
DIPHTHERINUM 129
DROSERA ROTUNDIFOLIA 131
DULCAMARA 132
EQUISETUM HYEMALE 134
EUPATORIUM PERFOLIATUM 135
EUPHRASIA 136
FERRUM METALLICUM 137
FLUORIC ACID 140

B. JAIN PUBLISHER PVT. LTD

कॉस्टिकम 95
कैमोमिला 98
चेलिडोनियम मेजस 100
सिक्यूटा विरोसा 102
सीना 104
सिन्कोना 105
कोका 108
कॉक्कुलस 109
कोफिया क्रूडा 111
कॉल्चिकम ऑटमनेल 112
कोलिन्सोनिया कैनाडेन्सिस 114
कोलोसिंथिस 115
कोनियम मेक्यूलेटम 116
क्रॉकस सैटाइवस 118
क्रोटेलस हॉरिडस 120
क्रोटन टिगलियम 122
क्यूप्रम मेटालिकम 123
साइक्लामेन यूरोपियम 125
डिजिटैलिस पर्पूरिया 127
डायोस्कोरिया विल्लोसा 128
डिफ्थेरिनम 129
ड्रोसेरा रोटण्डिफोलिया 131
डल्कामारा 132
एक्विजेटम हाइमेल 134
यूपाटोरियम पर्फोलिएटम 135
यूफ्रेशिया 136
फेरम मेटालिकम 137
फ्लोरिक एसिड 140

BJAIN PUBLISHER PVT LTD

GELSEMIUM 141
GLONOINE 143
GRAPHITES 144
HAMAMELIS VIRGINICA 147
HELLEBORUS NIGER 149
HELONIAS DIOICA 150
HEPAR SULPHURIS 152
HYDRASTIS CANADENSIS 154
HYOSCYAMUS NIGER 155
HYPERICUM PERFORATUM 157
IGNATIA 158
IODUM 161
IPECACUANHA 163
KALI BICHROMICUM 165
KALI BROMATUM 167
KALI CARBONICUM 169
KALMIA LATIFOLIA 171
KREOSOTUM 172
LACHESIS 174
LAC CANINUM 177
LAC DEFLORATUM 180
LEDUM PALUSTRE 182
LILIUM TIGRINUM 184
LOBELIA INFLATA 186
LYCOPODIUM CLAVATUM 187
LYSSIN 190
MAGNESIA CARBONICA 192
MAGNESIA MURIATICA 193

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

जेल्सीमियम 141
ग्लोनाइन 143
ग्रेफाइट्स 144
हेमामेलिस वर्जीनिका 147
हेलीबोरस नाइगर 149
हेलोनियस डायोका 150
हीपर सल्फ्यूरिस 152
हाइड्रेस्टिस कैनाडेन्सिस 154
हायोसायमस नाइगर 155
हाइपेरिकम पर्फोरेटम 157
इग्नेशिया 158
आयोडम 161
इपिकाकुअन्हा 163
काली बाइक्रोमिकम 165
काली ब्रोमेटम 167
काली कार्बोनिकम 169
कैल्मिया लैटिफोलिया 171
क्रियोजोटम 172
लैकेसिस 174
लैक कैनीनम 177
लैक डेफ्लोरेटम 180
लेडम पैलुस्टर 182
लिलियम टिगरीनम 184
लोबेलिया इन्फ्लेटा 186
लाइकोपोडियम क्लैवेटम 187
लाइसिन 190
मैग्नीशिया कार्बोनिका 192
मैग्नीशिया म्यूरिएटिका 193

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

MAGNESIA PHOSPHORICA 195
MEDORRHINUM 197
MELILOTUS ALBA 202
MENYANTHES TRIFOLIATA 204
MERCURIUS 205
MERCURIUS CORROSIVUS 208
MERCURIUS DULCIS 209
MERCURIUS CYANIDE 209
MERCURIUS PROTO IODIDE 210
MERCURIUS BINIODIDE 210
MERCURIUS SOLUBILIS 210
MERCURIUS SULPHURICUS 212
MEZEREUM 212
MILLEFOLIUM 214
MUREX PURPUREA 215
MURIATIC ACID 216
NAJA TRIPUDIANS 217
NATRUM CARBONICUM 218
NATRUM MURIATICUM 220
NATRUM SULPHURICUM 224
NITRIC ACID 226
NUX MOSCHATA 229
NUX VOMICA 231
OPIUM 235
PETROLEUM 237
PETROSELINUM 239
PHOSPHORIC ACID 240
PHOSPHORUS 243

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

मैग्नीशिया फॉस्फोरिका 195
मेडोरिनम 197
मेलीलोटस एल्बा 202
मेन्यान्थेस ट्रिफोलियेटा 204
मर्क्यूरियस 205
मर्क्यूरियस कौरोसिवस 208
मर्क्यूरियस डल्सिस 209
मर्क्यूरियस सायनाइड 209
मर्क्यूरियस प्रोटोआयोडाइड 210
मर्क्यूरियस बिनआयोडाइड 210
मर्क्यूरियस सॉल्यूबिलिस 210
मर्क्यूरियस सल्फ्यूरिकस 212
मेजेरियम 212
मिलेफोलियम 214
म्यूरेक्स पर्प्यूरिया 215
म्यूरिएटिक एसिड 216
नाजा ट्रिपुडियन्स 217
नेट्रम कार्बोनिकम 218
नेट्रम म्यूरिएटिकम 220
नेट्रम सल्फ्यूरिकम 224
नाइट्रिक एसिड 226
नक्स मॉस्केटा 229
नक्स वोमिका 231
ओपियम 235
पेट्रोलियम 237
पेट्रोसेलिनम 239
फास्फोरिक एसिड 240
फास्फोरस 243

B. JAIN PUBLISHER PVT LTD

PHYSOSTIGMA 246
PODOPHYLLUM 246
PHYTOLACCA 248
PICRIC ACID 250
PLATINA 252
PLUMBUM 253
PSORINUM 255
PULSATILLA 260
PYROGEN 263
RATANHIA 265
RANUNCULUS BULBOSUS 266
RHEUM 267
RHODODENDRON 268
RHUS TOXICODENDRON 269
RUMEX CRISPUS 272
RUTA GRAVEOLENS 273
SABINA 275
SABADILLA 277
SAMBUCUS NIGRA 278
SANGUINARIA 279
SANICULA 281
SARSAPARILLA 283
SECALE CORNUTUM 285
SELENIUM 287
SEPIA 289
SILICEA 293
SPIGELIA 297
SPONGIA TOSTA 299

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

फाइसोस्टिग्मा 246
पोडोफाइलम 246
फाइटोलेक्का 248
पिकरिक एसिड 250
प्लैटीना 252
प्लम्बम 253
सोराइनम 255
पल्साटिल्ला 260
पाइरोजेन 263
रेटेनिया 265
रैननकुलस बल्बोसस 266
रियूम 267
रोडोडेण्ड्रान 268
रस-टॉक्सिकोडेण्ड्रान 269
रूमेक्स क्रिस्पस 272
रूटा ग्रेवियोलेन्स 273
सेबाइना 275
सैबाडिल्ला 277
सैम्बुकस नाइग्रा 278
सैंग्वीनेरिया 279
सेनीकुला 281
सर्सापैरिल्ला 283
सीकेल कौरनुटम 285
सेलेनियम 287
सीपिया 289
साइलीशिया 293
स्पाइजीलिया 297
स्पंजिया टोस्टा 299

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

STANNUM 300
STAPHISAGRIA 302
STRAMONIUM 306
SULPHUR 308
SULPHURIC ACID 312
SYMPHYTUM 314
SYPHILINUM 314
TABACUM 317
TARAXACUM 319
TARANTULA 320
TEREBINTH 322
THERIDION CURASSAVICUM 323
THLASPI BURSA PASTORIS 325
THUJA OCCIDENTALIS 326
TRILLIUM PENDULUM 329
TUBERCULINUM-BACILLINUM* 330
VALERIANA 333
VARIOLINUM 334
VERATRUM ALBUM 334
VERATRUM VIRIDE 337
ZINCUM METALLICUM 338

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

स्टैनम 300
स्टैफिसैग्रिया 302
स्ट्रामोनियम 306
सल्फर 308
सल्फ्यूरिक एसिड 312
सिम्फाइटम 314
सायफिलिनम 314
टैबेकम 317
टैरेक्सेकम 319
टैरेण्टुला 320
टेरीबिन्थ 322
थेरीडियन क्यूरेसेविकम 323
थ्लास्पी बुर्सा पैस्टोरिस 325
थूजा आक्सिडेण्टलिस 326
ट्रिलियम पेण्डुलम 329
टुबरकुलीनम बेसिलीनम 330
वैलेरियाना 333
वैरियोलिनम 334
वेराट्रम एल्बम 334
वेराट्रम विराइड 337
जिंकम मेटालिकम 338

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

CHARACTERISTICS
OF SOME OF THE
LEADING REMEDIES

ABROTANUM

Southernwood *Compositæ*

Constitution

Marasmus of children with marked emaciation, especially of legs (**Iod., Sanic., Tub.**); the skin is flabby and hangs loose in folds (of neck, **Nat. m., Sanic.**).

Mental General

Child is ill-natured, irritable, cross and despondent; violent, inhuman, would like to do something cruel.

Physical General

Ravenous hunger; losing flesh while eating well (**Iod., Nat. m., Sanic., Tub.**).

Head

In marasmus, head weak, cannot hold it up. (**Æth.**)

Face

Face old, pale, wrinkled (**Op.**).

Gastro intestinal system

Alternate constipation and diarrhoea : lienteria.

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

प्रमुख औषधियों
के चरित्र-प्रधान लक्षण

एब्रोटनम

सदर्नवुड *कम्पोजिटी*

शारीरिक गठन

बच्चों का शोष अर्थात् सुखण्डी रोग; शरीर में बहुत दुबलापन रहता है, खासकर पैर बहुत पतले हो जाते हैं **(आयोड, सैनीक्यू, टुबर)**; त्वचा ढीली पड़ जाती है और तहों में झूलती रहती है (गर्दन का कमजोर और ढीला पड़ना–**नेट्र-म्यूरि, सैनीक्यू**)।

मानसिक जनरल

बच्चा दुष्ट-प्रकृति का, चिड़चिड़ा, जिद्दी और हताश; उत्तेजित, अमानवीय, क्रूरतापूर्ण कार्यों में रुचि लेता है।

फिजिकल जनरल

राक्षसी भूख; समुचित खाना खाते हुए भी शरीर सूखता चला जाता है (**आयोड, नेट्र-म्यूरि, सैनीक्यू, टुबर**)।

सिर

शोष की बीमारी में सिर कमजोर रहता है; रोगी अपना सिर ऊपर उठाकर नहीं रख सकता (**एथूजा**)।

चेहरा

चेहरा बूढ़ों की तरह पीला और झुर्रियों से भरपूर (**ओपि**)।

पाचन तंत्र

पर्यायक्रम से मलबद्धता एवं अतिसार–जैसे एक बार कब्ज और दूसरी बार पतला दस्त; अजीर्णातिसार।

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

Extremities

Painful contractions of the limbs from cramps or following colic.

Rheumatism : for the excessive pain before the swelling commences; from suddenly-checked diarrhœa or other secretions; alternates with hæmorrhoids, with dysentery.

Gout : joints stiff, swollen, with pricking sensation; wrists and ankle-joints painful and inflamed.

Very lame and sore all over.

Marasmus of lower extremities only.

Fever

Great weakness and prostration and a kind of hectic fever with children; unable to stand.

Skin

Itching chilblains (**Agar.**).

Relation

After **Hepar** in furuncle; after **Acon.** and **Bry.** in pleurisy, when a pressing sensation remains in affected side impeding respiration.

ACETIC ACID

Glacial Acetic Acid $C_4H_3O_3$

Constitution

Adapted to pale, lean persons with lax, flabby muscles: *face pale, waxy* (**Fer.**).

Marasmus and other wasting diseases of children (**Abrot., Iod., Sanic., Tub.**).

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

बाहु और पैर

ऐंठन अथवा उदरशूल के बाद अंगों में दर्द भरी सिकुड़न।

आमवात–सूजन आरम्भ होने से पहले अत्यधिक पीड़ा के लिए; अतिसार या स्रावों को रोक देने के कारण होने वाला आमवात; बवासीर या रक्तातिसार के बाद अदल-बदल कर होने वाला आमवात।

गठिया–जोड़ों की अकड़न तथा सूजन के साथ लगता है जैसे सुइयाँ चुभ रही हों; कलाइयों तथा गुल्फसन्धियों में पीड़ा और प्रदाह।

सारे शरीर में खंजता और दुखन।

केवल निम्नांगों का शोष अर्थात् पैर अधिक कमजोर।

ज्वर

बहुत बढ़ी हुई कमजोरी और अवसन्नता एवं बच्चों में एक तरह का प्रलेपकज्वर; खड़ा नहीं हो पाता।

चर्म

फटी हुई बिवाइयों में खुजली होती है (**एगारिक**)।

सम्बन्ध

फुंसियों आदि में **हीपर** के बाद, फुम्फुसावरणशोथ में **ऐकोनाइट** और **ब्रायोनिया** के पश्चात् जब रोगग्रस्त पार्श्व में दबाव अधिक बढ़ जाता है और श्वास लेने तथा छोड़ने में बाधा आती है।

एसेटिक एसिड

ग्लेशियल एसेटिक एसिड ***सी$_4$एच$_3$ओ$_3$***

शारीरिक गठन

पीले और दुबले-पतले व्यक्तियों के लिये अधिक लाभदायक, जिनकी मांस-पेशियाँ (muscles) ढीली-ढाली और थुलथुली रहती है; चेहरा पीला मोम जैसा **(फेरम)**।

बच्चों का सुखंडी रोग तथा शरीर को क्षय करने वाली अन्यान्य बीमारियाँ (**एब्रोट, आयोड, सैनीक्यू, टुबर**)।

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

Physical General

Hæmorrhage : from every mucous outlet, nose, throat, lungs, stomach, bowels, uterus (**Fer, Mill.**): metrorrhagia; vicarious; traumatic epistaxis (**Arn.**).

Great prostration: after injuries (Sulph. ac.) ; after surgical shock, after anæsthetics.

Thirst : intense, burning, insatiable even for large quantities in dropsy, diabetes, chronic diarrhoea; **but no thirst in fever.**

Cannot sleep lying on the back (sleeps better on back, **Ars.**); sensation of sinking in abdomen causing dyspnœa; **rests better lying on belly** (**Am. c.**).

Gastro Intestinal System

Diarrhœa: copious, exhausting, great thirst; in dropsy, typhus, phthisis; with night sweats.

Female Reproductive System

Sour belching and vomiting of pregnancy, burning water-brash and profuse salivation, day and night (**Lac. ac.**–salivation < at night, **Mer. s.**).

Respiratory System

True croup, hissing respiration, cough with the inhalation (**Spong.**); last stages.

Inhalation of vapor of cider vinegar has been successfully used in croup and malignant diphtheria.

Fever

Hectic fever, skin dry and hot; **red spot on left cheek and drenching night sweats**.

No thirst in fever.

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

फिजिकल जनरल

रक्तस्राव : नाक, कण्ठ, फुफ्फुस, पाकाशय, आंतों और गर्भाशय आदि सभी श्लैष्मिक-बहिर्द्वारों से रक्तस्राव होता है (**फेरम, मिली**); जरायु से बहुत ज्यादा रक्तस्राव; जहाँ से रक्तस्राव होना चाहिये था वहाँ से न होकर किसी दूसरी जगह से होना; चोट की वजह से नाक से खून जाना (**आर्निका**)।

महावसाद–किसी तरह की चोट लगने के बाद (सल्फ्यू-एसिड) ; शल्यक्रियोत्तर आघात के बाद; किसी बेहोश करने वाली दवा के प्रयोग के बाद।

प्यास–जलशोफ, मधुमेह, जीर्णातिसार, आदि में तीव्र ज्वलनकारी, अप्रतिहत एवं अत्यधिक मात्रा में पानी पीने की अदम्य पिपासा; **परन्तु ज्वर में बिल्कुल प्यास नहीं लगती**।

पीठ के बल लेट कर नहीं सो सकता (पीठ के बल लेट कर अच्छी नींद आती है–**आर्से-एल्ब**); उदर के अन्दर डूबने की अनुभूति, जिसके फलस्वरूप श्वासकष्ट होता है; **पेट के बल लेटने से आराम (एमोनि-कार्बो)**।

पाचन तंत्र

अतिसार–बहुत ज्यादा, कमजोर करने वाले दस्त, अत्यधिक प्यास शोफ, मोह-ज्वर (टाइफस) तथा यक्ष्मा में पतले दस्तों का आना; रात को पसीना आने के साथ।

स्त्री जनन तंत्र

गर्भावस्था के दौरान खट्टी डकारें आना और वमन होना, रात-दिन कलेजे में जलन होना तथा मुख के अन्दर बार-बार पानी भर आना एवं बहुत ज्यादा लार बहना (**लैक्टि-एसिड**– यदि रात में लार ज्यादा आती हो तो–**मर्क्यू-सौल्यू**)।

श्वसन तंत्र

यथार्थ क्रूप श्वास लेने और छोड़ने में साँय-साँय..... जैसी ध्वनि, श्वास को अन्दर खींचने के साथ खाँसी (**स्पांजिया**); क्रूप की अन्तिम अवस्था।

क्रूप तथा सांघातिक डिफ्थीरिया में श्वास के साथ सेब के सिरके की भाप लेना बहुत लाभदायक होता है।

ज्वर

क्षय अथवा प्रलेपक ज्वर–त्वचा सूखी और गर्म रहती है। **बायें गाल पर लाल दाग और रात को इतना अधिक पसीना आता है कि शरीर तर हो जाता है।**

ज्वर में प्यास नहीं लगती।

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

Relation

It antidotes anaesthetic vapors (**Amyl**); fumes of charcoal and gas; Opium and Stramonium.

Cider vinegar antidotes Carbolic acid.

Follows well : after **Cinchona**, in hæmorrhage; after **Digitalis**, in dropsy.

It aggravates : the symptoms of **Arn., Bell., Lach., Mer.**; especially the headache from **Belladonna**.

ACONITUM NAPELLUS

Monkshood *Ranunculaceæ*

Constitution

Is generally indicated in acute or recent cases occurring in young persons, especially girls of a full, plethoric habit **who lead a sedentary life**; persons easily affected by atmospheric changes; dark hair and eyes, rigid muscular fibre.

Mental General

Great fear and anxiety of mind, with great nervous excitability; afraid to go out, to go into a crowd where there is any excitement or many people; to cross the street.

The countenance is expressive of **fear**; **the life is rendered miserable by fear**; is sure his disease will prove fatal; predicts the day he will die; fear of death during pregnancy.

Restless, anxious, does everything in great haste; must change position often; everything startles him.

Hahnemann says: "Whenever Aconite is chosen homœopathically, you must, above all, observe the moral

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

सम्बन्ध

यह बेहोश करने वाली भापों (**एमीले**); कोयले के धुएं और गैस तथा अफीम और धतूरे के बिषैले प्रभाव को दूर करती है।

सेब का सिर्का कार्बोलिक-एसिड के विषैले प्रभाव को नष्ट करता है।

रक्तस्राव में **सिंकोना** के बाद और शोफ में **डिजिटैलिस** के बाद यह खूब फायदा करती है।

यह **आर्निका, बेलाडोना, लैकेसिस, मर्क्यूरियस के लक्षणों, खासकर बेलाडोना** के सिरदर्द को और अधिक बढ़ा देती है।

ऐकोनाइटम नैपेलस

मांक्सहुड *रैननकुलेसी*

शारीरिक गठन

इस औषधि का प्रयोग उन युवा व्यक्तियों, विशेषतया उन पूर्ण, रक्तबहुल प्रकृति की युवतियों को आक्रान्त करने वाले तरुण अथवा नूतन रोगों में किया जाता है, जो **शारीरिक श्रम नहीं करतीं** अथवा इसका उपयोग ऐसे व्यक्तियों के लिये किया जाता है जिन पर जलवायु-परिवर्तन का तुरन्त प्रभाव पड़ता है; जिनके केश और नेत्र काले और पेशी-तन्तु कठोर होते हैं।

मानसिक जनरल

बहुत ज्यादा भय और मानसिक अधीरता के साथ भारी स्नायविक उत्तेजना; घर के बाहर निकलने तथा ऐसी भीड़-भाड़ में जाने का भय जिसमें किसी प्रकार का उत्तेजित वातावरण हो अथवा बहुत से लोग हों; सड़क पार करने का भय।

चेहरे से ही पता लग जाता है कि वह **डरा हुआ है; भय के कारण जीवन दूभर हो जाता है**; पक्का विश्वास कर लेता है कि उसका रोग घातक सिद्ध होगा; अपनी मृत्यु के दिन की भविष्यवाणी कर देता है; गर्भावस्था के दौरान मृत्यु का भय बना रहता है।

बेचैन, अधीर, प्रत्येक कार्य में शीघ्रता करता है; स्थिति-परिवर्तन के लिये बहुधा बाध्य होना पड़ता है; हर चीज से चौंक पड़ता है।

हैनीमेन कहते हैं–जब कभी होम्योपैथिक सदृश-विधान के अनुसार ऐकोनाइट का चयन किया जाता है तो आपको सबसे पहले मानसिक लक्षणों पर ध्यान देना

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

symptoms, and be careful that it closely resembles them; the anguish of mind and body; the restlessness; the disquiet not to be allayed."

This mental anxiety, worry, fear accompanies the most trivial ailment.

Music is unbearable, makes her sad (**Sab.**–during menses, **Nat. c.**).

Physical General

Complaints caused by exposure to *dry cold air, dry north* or *west winds*, or exposure to draughts of cold air while in a perspiration; bad effects of checked perspiration

For the congestive stage of inflammation before localization takes place.

Pains : are intolerable, they drive him crazy; he becomes very restless; at night.

Female Reproductive System

Amenorrhœa in plethoric young girls; **after fright**, to prevent suppression of menses.

Respiratory System

Cough, croup; dry, hoarse, suffocating; loud, rough, croaking; hard, ringing, whistling; on expiration (**Caust.**–on inhalation, Spong.): **from dry, cold winds or drafts of air.**

Nervous System

On rising from a recumbent position the red face becomes deathly pale, or he becomes faint or giddy and falls, and he fears to rise again; often accompanied by vanishing of sight and unconsciousness.

Convulsions : of teething children; heat, jerks and

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

चाहिये और भली-भाँति आश्वस्त हो जाना चाहिये कि यह उससे पूर्ण सदृशता रखती है। इससे मन और शरीर की वेदना, अनस्थिरता एवं अशान्ति को ही प्रशमित नहीं करना चाहिये।

मानसिक अधीरता, चिन्ता और भय जैसी अवस्थायें हल्के-से-हल्के उपसर्ग के साथ भी गतिशील रहती हैं।

संगीत सहन नहीं होता, यह रोगिणी को उदास कर देता है। (**सैबाइना**; ऋतु-स्राव के समय-**नेट्म-कार्बो**)

फिजिकल जनरल

रूखी और ठण्डी हवा, सूखी उत्तरी या पश्चिमी हवा के अनावरण द्वारा अथवा स्वेदन काल में ठण्डी हवा लग जाने के कारण उत्पन्न होने वाले रोगः पसीना रुक जाने का कुफल।

प्रदाह की रक्तसंचयी अवस्था के किसी एक स्थान पर केन्द्रित होने से पहले प्रयुक्त की जाने वाली औषधि।

दर्द–ऐसा होता है कि जिसको रोगी सहन नहीं कर पाता, दर्द से पागल-सा हो जाता है; बेचैन हो उठता है; रात को ज्यादा दर्द अनुभव करता है।

स्त्री जनन तंत्र

रक्तबहुल प्रकृति की युवा लड़कियों में अनार्तव की स्थिति; **डर जाने के बाद** ऋतुःस्राव रुक जाने जैसी अवस्था को दूर करने के लिये यह अमोघ है।

श्वसन तंत्र

खांसी, क्रूप; सूखी, आवाज बैठ जाती है, दम घुटता है, जोर की आवाज होने के साथ रूखी कर्कश आवाज निकलती है; कठोर खांसी, जिसमें घण्टी या सीटी बजने जैसी आवाज आती है; श्वास छोड़ने पर (**कास्टिक**; श्वास लेने पर–**स्पांजिया**); सूखी, ठण्डी हवा या हवा के झोंके लग जाने के कारण।

तन्त्रिका तंत्र

लेटी हुई अर्थात् अर्द्धशायित अवस्था से उठने पर लाल चेहरा मुर्दे की तरह पीला पड़ जाता है या रोगी बेहोश हो जाता है या उसका सिर चकरा जाता है और वह गिर पड़ता है, और वह सिर को पुनः ऊपर उठाने से डरता है; इसके साथ ही बहुधा देखने की शक्ति समाप्त हो जाती है और वह बेहोश हो जाता है।

आक्षेप–दांत निकलते बच्चों की अकड़न; एकल पेशियों में गर्मी, झटके और

twitches of single muscles; child gnaws its fist, frets and screams; skin hot and dry; high fever.

Fever

Fever : skin dry and hot; face red, or pale and red alternately; burning thirst for large quantities of cold water; **intense nervous restlessness, tossing about in agony**; becomes intolerable towards evening and on going to sleep.

Aconite should never be given simply to control the fever, never alternated with other drugs for that purpose. If it be a case requiring **Aconite** no other drug is needed; **Aconite** will cure the case.

Unless indicated by the exciting cause, is nearly always injurious in first stages of typhoid fever.

Modalities

Aggravation.—Evening and night, pains are insupportable; in a warm room; when rising from bed; lying on affected side (**Hep., Nux m.**).

Amelioration.—In the open air (**Alum., Mag. c., Puls., Sab.**).

Relation

Complementary: to **Coffea** in fever sleeplessness, intolerance of pain; to **Arnica** in traumatism; to **Sulphur** in all cases. Rarely indicated in fevers which bring out eruptions.

Aconite is the acute of **Sulphur**, and both precedes and follows it in acute inflammatory conditions.

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

स्फुरण; बच्चा अपनी मुट्ठी दांतों से काटता है, चिढ़ता है और चीखता चिल्लाता है; त्वचा सूखी और गर्म रहती है; शरीर अत्यधिक तपा हुआ अर्थात् उच्च-तापमान युक्त ज्वर।

ज्वर

ज्वर–त्वचा शुष्क एवं तप्त; चेहरा लाल या पर्यायक्रम से पीला और लाल, ठण्डे पानी की अत्यधिक प्यास, जिसमें रोगी पानी अधिक मात्रा में पीता है; **तीव्र स्नायविक व्याकुलता, अनस्थिरता, कष्ट के मारे छटपटाया करता है**; शाम के वक्त और सोते समय व्याकुलता एकदम असहनीय हो जाती है।

ऐकोनाइट का प्रयोग मात्र ज्वर रोकने के लिये कभी नहीं करना चाहिये। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये कभी किसी दूसरी औषधि के साथ पर्यायक्रम से इसका प्रयोग कभी नहीं करना चाहिये। अगर रोगी को **एकोनाइट** की ही आवश्यकता होगी तो कभी किसी दूसरी औषधि की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी; **ऐकोनाइट** ही उस रोगी को आरोग्य कर देगी।

इसका निर्देश जब तक किसी उत्तेजक कारण से नहीं होता, तब तक टाइफायड की प्रारम्भिक अवस्था में यह लगभग हमेशा नुकसान पहुँचाती है।

मोडेलिटीज

रोगवृद्धि–सन्ध्या और रात में, दर्द सहन नहीं होता; गरम कमरे में; बिछावन से सोकर उठते समय; रोगग्रस्त पार्श्व के सहारे लेटने पर (**हीपर, नक्स-मास्के**)।

रोगह्रास–खुली हवा में (**एलुमिना, मैग्नी-कार्बो, पल्सा, सैबाइना**)।

सम्बन्ध

ज्वर, अनिद्रा, असह्य पीड़ा में **काफिया** की अनुपूरक; चोट में **आर्निका** की और सभी रोगों में **सल्फर** की पूरक; जिन ज्वरों में उद्भेद निकलते हैं, उनमें शायद ही कभी इसका निर्देश होता है।

जिन नयी बीमारियों में **ऐकोनाइट** का प्रयोग होता है उनकी जीर्णावस्थाओं में **सल्फर** का व्यवहार होता है तथा प्रदाहक अवस्थाओं में दोनों ही एक दूसरे की पूरक हैं।

ACTÆA RACEMOSA

Black Cohosh *Ranunculaceæ*

Mental General

Puerperal mania; thinks she is going crazy (compare, **Syph.**); tries to injure herself.

Mania following disappearance of neuralgia.

Sensation as if **a heavy, black cloud had settled all over her** and enveloped her head so that all is darkness and confusion.

Illusion of a mouse running from under her chair (**Lac. c., Æth.**)

Eyes

Ciliary neuralgia : aching or sharp, darting shooting pains in globes, extending to temples, vertex, occiput, orbit, < going up stairs, > lying down.

Cardio-vascular System

Heart troubles from reflex symptoms of uterus or ovaries. Heart's action ceases suddenly; impending suffocation; palpitation from least motion (**Dig.**).

Female Reproductive System

Menses : irregular; exhausting (**Alum., Co.**): delayed or suppressed by mental emotion, from cold, from fever; with chorea, hysteria or mania, increase of mental symptoms during.

Severe left-sided infra-mammary pains (**Ust.**).

Sharp, lancinating, electric-like pains in various parts, sympathetic with ovarian or uterine irritation; in uterine region, dart from side to side.

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

heaviness in rectum; during stool, tenesmus and **much flatus**; after stool, faintness.

Hæmorrhoids : blue, like a bunch of grapes (**Mur. ac.**); constant bearing down in rectum, bleeding, sore, tender, hot, relieved by cold water: intense itching

Itching and burning in anus, preventing sleep (**Ind.**).

Skin

Itch appears each year, as winter approaches (**Psor.**).

Modalities

Aggravation.—Early morning; sedentary life; **hot, dry weather**; after eating or drinking: standing or walking

Amelioration.—Cold water; cold weather; discharge of flatus and stool.

Relation

Like Sulphur in many chronic diseases with abdominal plethora and congestion of portal circulation; develops suppressed eruptions.

Similar : to, **Am. m., Gamb., Nux. Pod.**

ALUMINA

Pure Clay $Al_2.O_3$

Constitution

Adapted to persons who suffer from chronic diseases; "the **Aconite** of chronic diseases."

Constitutions deficient in animal heat (**Cal., Sil.**).

Spare, dry, thin subjects; dark complexion; dry, tettery, itching eruption, worse in winter (**Petr.**); intolerable, itching of whole body when getting warm in bed (**Sulph.**): scratches until bleeds, then becomes painful.

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

और **मलाशय में भारीपन मालूम होता है**; पाखाना होते समय कूथन होती है और **बहुत ज्यादा अधोवायु** निकलती है; पाखाना आने के बाद बेहोशी छा जाती है।

बवासीर के मस्से–नीले, अंगूर के गुच्छे की तरह (**म्यूरि-एसिड**) मलाशय में बराबर नीचे की ओर दबाब, मस्से से खून निकलता है; ठण्डा पानी लगाने से आराम मिलता है; अत्यधिक खुजली होती है।

मलद्वार में खुजली और जलन लगती है, फलस्वरूप नींद नहीं आती (**इण्डिगो**)।

चर्म

जाड़ा आरम्भ होते ही हर साल खुजली प्रकट हो जाती है (**सोराइनम**)।

मोडेलिटीज

रोगवृद्धि–प्रातःकाल; शारीरिक श्रम विहीन जीवन बिताने पर; **गर्म और सूखे मौसम में**; खाने-पीने के बाद; खड़े रहने या टहलने पर।

रोगह्रास–ठण्डे पानी से; ठण्डे मौसम में; अधोवायु निकलने और पाखाना हो जाने पर।

सम्बन्ध

उन जीर्ण रोगों में सल्फर के समान है, जिनमें उदर-गह्वर के अन्दर रक्ताधिक्य एवं मलांत्र में रक्तसंकुलन हो; दबे हुए उद्‌भेदों को फिर से बाहर निकाल देता है।

सदृश–**एमोनि-म्यूरि गम्बोजिया, नक्स-वौमि** और **पोडोफाइलम** के समान।

एलुमिना

शुद्ध मिट्टी *ए एल$_2$ओ$_3$*

शारीरिक गठन

जीर्ण रोगों से पीड़ित रहने वाले व्यक्तियों के लिये अधिक उपयोगी; जीर्ण रोगों की **ऐकोनाइट**।

ऐसे व्यक्ति जिनमें जैवी-ताप की कमी पाई जाती है (**कैल्केरिया, सीलीका**)।

इकहरे शरीर वाले, सूखे, दुबले-पतले आदमी, जिनका सांवला रंग-रूप होता है; सूखे, खुजलाहट भरे दाद जैसे उद्‌भेद, जिनकी बहुलता सर्दियों में पाई जाती है (**पैट्रोलि**) बिस्तरे की गर्मी से सारे शरीर में असह्य खुजली होती है (**सल्फर**); खुजाते-खुजाते खून निकल आता है और बहुत दर्द होता है।

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

Mental General

Mild, cheerful disposition; hypochondriacs.

Time passes too slowly, an hour seems half a day (**Cann. Ind.**).

Physical General

Abnormal appetite; craving for starch, chalk, charcoal, cloves, coffee or tea-grounds, acids and indigestible things (**Cic., Psor.**); potatoes disagree.

Talking fatigues; faint and tired, must sit down.

Gastro Intestinal System

Chronic eructations for years; worse in evening.

Constipation : no desire for and no ability to pass stool until there is a large accumulation (**Melil.**); **great straining**, must grasp the seat of closet tightly; stool hard, knotty, like laurel berries, covered with mucus; or soft, clayey, adhering to parts (**Plat.**).

Constipation : of nursing children, from artificial food; bottle-fed babies; of old people (**Lyc., Op.**); of pregnancy, from inactive rectum (**Sep.**).

Inactivity of rectum, even soft stool requires great straining (**Anac., Plat., Sil., Ver.**).

Diarrhœa when she urinates.

Has to strain at stool in order to urinate.

Female Reproductive System

Leucorrhœa : **acrid and profuse, running down to the heels** (**Syph.**); worse during the daytime; > by cold bathing.

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

मानसिक जनरल

सौम्य, हर्षोत्फुल्ल चित्तवृत्ति; रोगभ्रमी;

समय बहुत धीरे-धीरे बीतता है, एक घंटा आधे दिन के बराबर लगता है (**कैनाबिस-इण्डिका**)।

फिजिकल जनरल

असाधारण भूख; श्वेतसार, खड़िया, मिट्टी, कोयले, लवण, कॉफी का चूर या चायपत्ती, खटाई और न पचने वाले पदार्थ खाने की इच्छा (**सिक्युटा, सोराइनम**); आलू नहीं पचते।

बातचीत करने से थकावट आ जाती है; बेहोश और थका हुआ, बैठने के लिये बाध्य हो जाता है।

पाचन तंत्र

डकारें आने की वर्षों पुरानी बीमारी; शाम को अधिक डकारें आती हैं।

मलबद्धता अर्थात् कब्ज की बीमारी–जब तक बहुत ज्यादा मल इकट्ठा नहीं हो जाता, तब तक न तो मलत्याग की इच्छा होती है और न मल-निकास की क्षमता ही रहती है (मेलीलोटस), बहुत जोर लगाना पड़ता है, कसकर किसी पास की चीज को पकड़ कर जोर देना पड़ता है; मल कठोर, गांठ की तरह और कटहल जैसा तथा श्लेष्मा से लिपटा हुआ या नरम, कीच की तरह मलद्वार से चिपका हुआ (**प्लैटीनम**)।

मलबद्धता–स्तन का दूध पीने वाले बच्चों को होने वाली, बोतल का दूध पीने वाले बच्चों की तथा वृद्ध मनुष्यों की (**लाइको, ओपि**); सगर्भकालीन मलबद्धता; मलाशय की निष्क्रियता के कारण (**सीपिया**)।

मलांत्र की निष्क्रियता, यहाँ तक की नरम मल निकालने के लिये भी बहुत ज्यादा जोर लगाना पड़ता है (**एनाकार्डियम, प्लैटीनम, सिलीका, वेराट्रम**)।

जब कभी मूत्र त्याग करती है तभी पतला दस्त हो जाता है।

मूत्रोत्सर्जन के लिये उसे मलत्यागार्थ जोर लगाना पड़ता है।

स्त्री जनन तंत्र

श्वेतप्रदर–तीखा और विपुल परिमाण में, जो बहते-बहते एड़ियों तक चला जाता है (**सिफिलीनम**); दिन में अधिक स्राव होता है; ठण्डे जल से स्नान करने पर कम हो जाता है।

B JAIN PUBLISHER PVT LTD

Amelioration.—After eating; cold air; cold food and drinks; rising from bed.

Relations

Similar : to, **Act., Asaf., Coca, Ign., Mosch., Phos., Val.**

AMMONIUM CARBONICUM

Smelling Salts $_2NH_4O$, $_3CO_2$

Constitution

Stout, fleshy women with various troubles in consequence of leading a sedentary life; delicate women who must have the "**smelling-bottle**" continually at hand; readily catch cold in winter.

Mental General

Ill-humor during wet, stormy weather.

Physical General

Hæmorrhagic diathesis, fluid blood and degeneration of red blood-corpuscles; ulcerations tend to gangrene.

Children dislike washing (**Ant, c., Sulph.**).

Head

Headache : sensation of fullness, as if forehead would burst (**Bell., Glon.**).

Nose

Nosebleed : when washing the face (**Arn., Mag. c.**) and hands in the morning, from left nostril; **after eating**.

Ozæna, blowing bloody mucus from the nose frequently; blood rushes to tip of nose, when stooping.

Stopping of nose, mostly at night; must breathe through the mouth, a keynote even in diphtheria; long

B JAIN PUBLISHERS PVT LTD

रोगहास–भोजन के बाद, शीतल वायु में, ठण्डे खाद्य एवं पेय पदार्थों से, बिस्तर से उठने पर।

सम्बन्ध

एक्टिया, एसाफीटिडा, कोका, इग्नेशिया, मॉस्कस, फास्फोरस, वैलेरियाना के सदृश है।

अमोनियम कार्बोनिकम

स्मेलिंग साल्ट $_2$*एन एच*$_4$*ओ*$_3$*सीओ*$_2$

शारीरिक गठन

शारीरिक परिश्रम-विहीन जीवन बिताने वाली, सुदृढ़, मोटी-ताजी स्त्रियों को होने वाली नाना प्रकार की बीमारियाँ, कोमलांगी स्त्रियाँ, जिन्हें "**स्मेलिंग साल्ट**" (**नौसादर**) की शीशी हमेशा अपने पास रखनी पड़ती है; जिन्हें शीत ऋतु में तुरन्त सर्दी लग जाती है, उनके लिये लाभदायक।

मानसिक जनरल

तर, तूफानी मौसम में चिड़चिड़ा हो जाता है।

फिजिकल जनरल

रक्तस्रावी प्रवणता, रक्त तरल और लालरक्तकोषों का अपजननः, व्रणों की कोथमय होने की प्रवृत्ति।

बालक-बालिकाओं को नहाना अच्छा नहीं लगता (**एण्टिमक्रूड, सल्फर**)।

सिर

सिरदर्द–सिर इतना भारी मालूम होता है मानो ललाट फट जायेगा (**बेलाडोना, ग्लोना**)।

नाक

नकसीर–प्रातः मुँह-हाथ धोते समय बायें नासारन्ध्र से खून बहने लगता है (**आर्नि, मैग्नी कार्बो**) **खाने के बाद नाक से रक्तस्राव**।

पुराना पीनस रोग; नाक साफ करने पर नाक से प्रत्येक बार रक्तमिश्रित श्लेष्मा निकलता है; झुकते समय नाक की नोक तक खून उतर आता है।

रात के समय बहुधा नाक बन्द हो जाती है; बाध्य होकर मुख से श्वास लेना पड़ता है–डिप्थीरिया रोग में इस दवा का व्यवहार करने के लिए यह

CLICK HERE